



NEWSLETTER

शनिवार, 13 मई 2023 | वॉल्यूम - 45



सीएआई ने 2022-23 सीजन के लिए कपास की फसल का अनुमान घटाकर 29.8 मिलियन गांठ कर दिया है

TOP 5 NEWS OF THE WEEK



**GOLD : 60898
SILVER : 73100
CRUD OIL : 5774**

उन्होंने बताया की उनकी फर्म 90 साल पुरानी कंपनी हैं जो कॉटन ब्रोकरेज का काम करती है , कंपनी का पुराना और मूल नाम मफतलाल लालूभाई एंड कंपनी था, फिर 1965 में उन्होंने अरुणकुमार एंड कंपनी के नाम से व्यवसाय शुरू किया | इस फर्म ने अहमदाबाद में केसरी एंड हिंद मिल्स, बिहारी मिल्स, सारंगपुर मिल्स, अजीत मिल्स और मुंबई में रैले इंडिया कंपनी, पटेल वेल कट, कोटक एंड कंपनी , बॉम्बे डाइंग, पोद्दार मिल्स, एंड एक्सपोर्ट्स की गिल एंड कंपनी, अर्जन खिमजी और चुडगर रामछोड़लाल जेठालाल के साथ कॉटन का व्यापार किया. इनको 2018 में कॉटन असोसिएशन ऑफ इंडिया और कॉटन एडवाइजरी कमिटी की तरफसे बेस्ट ब्रोकर का अवार्ड मिल चुका है.

कॉटन की उपज बढ़ाना आवश्यक ।

अरुण कुमार

अरुण कुमार एंड कंपनी (कॉटन ब्रोकर)

आज की तारीख में मिल्स के पास 30 से 35 दिन का स्टॉक है. और 27 से 30 लाख बैल्स का स्टॉक जिन्स, एक्सपोटर और सीसीआई (गवर्मेंट बॉडी) आदि अनसोल्ड है. अप्रैल महीने में लगभग 1.35 हजार बैल्स प्रतिदिन आई है. इस अंदाज से जून महीने में 80 से 85 हजार प्रतिदिन बैल्स आ सकती है जबकि जुलाई में 45 से 50 हजार बैल्स तक प्रतिदिन आ सकती है . जुलाई अगस्त में कर्नाटक और तमिलनाडु में नया क्रॉप चालू हो जायेगा। सप्टेम्बर की 15 से नार्थ का क्रॉप चालू हो जायेगा। इस स्थिति को देखते हुए बाजार में लम्बे समय तक कॉटन की कमी नहीं आएगी। लम्बी तेजी भी नहीं आ सकती। अगर असाधारण जलवायु में कोई परिवर्तन हुआ तो बाजार में 2500 से 3000 तक भाव बढ़ सकते हैं. आज की तारीख में धागे का उत्पादन मूल्य बढ़ गया है, अधिकांश मिल्स वित्तीय संकट का सामना कर रही है ऐसे में नकदी तरलता का आभाव होने से मिल्स जरूरी पुरता रुई खरीद रही है.

• हमारा मानना है कि रूस यूक्रेन युद्ध का प्रभाव 2023-24 तक जारी रहेगा। बाजार दरों में वृद्धि मुश्किल लग रही है.

• जैसे-जैसे लोगों की क्रय शक्ति घटी है, वैसे-वैसे असर यह हुआ है कि अन्तर्राष्ट्रीय बाजार हमारे मुकाबले औसतन 1500 से 2000 रुपये कम है। इससे सूती धागे के कपड़ों का निर्यात करना मुश्किल हो गया है. 2022-23 की तुलना में 2023-24 में एक्सपोर्ट में 50% की गिरावट आना संभावित है.

• अधिकांश मिलें लागत का बोझ प्रति माह 1.5 % से 1.75% तक बढ़ा देती हैं. सरकार कच्चे तेल के मुकाबले पेट्रोल और डीजल की कीमत कम नहीं करती है. अभी तक किसानों ने जो कपास का स्टॉक किया है वह बहुत अच्छा है और आगे चलकर अच्छी मात्रा में आएगा

• नई तकनीक के अनुसार जिन मिलों को आगे बढ़ना है, उन्हें तकनिकि में सुधार करना होगा, नहीं तो वे इस उद्योग के मुकाबले में टिक नहीं पाएंगी, और उनकी उम्र कम हो जाएगी।

• सरकार के आयात पर 11% शुल्क है, इसलिए उन सामानों को हमारे पास लाना महंगा है.

• 2015 से 2020 तक किसानों को कपास की औसत कीमत 800 से 1000 रुपये, 2021-22 में 1200 से 1300 रुपये थी .

• हमारा मानना है कि बीज की किस्म में सुधार किया जाना चाहिए ताकि रोपण और उपज अन्य देशों की तुलना में प्रतिस्पर्धा कर सके. डुप्लीकेट या रीसायकल बीजों की बिक्री नियंत्रित की जाना चाहिए और भारी जुर्माना लगाया जाना चाहिए।

उत्पादन घटने से भारत का कपास निर्यात 18 साल के निचले स्तर पर पहुंच जाएगा



भारत का कपास निर्यात 2022/23 में 18 वर्षों में अपने सबसे निचले स्तर पर गिरने के लिए तैयार है, क्योंकि उत्पादन लगातार दूसरे वर्ष घरेलू खपत से पिछड़ गया है, एक प्रमुख व्यापार निकाय ने गुरुवार को कहा। दुनिया के सबसे बड़े उत्पादक से कम निर्यात से वैश्विक कीमतों को समर्थन मिल सकता है। यह घरेलू कीमतों को भी बढ़ा सकता है और स्थानीय कपड़ा कंपनियों के मार्जिन पर भार डाल सकता है। कॉटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया (सीएआई) ने एक बयान में कहा कि 30 सितंबर को समाप्त होने वाले चालू विपणन वर्ष में निर्यात 20 लाख गांठ तक गिर सकता है, जो 2004/05 के बाद सबसे कम और पिछले साल 43 लाख गांठ से काफी कम है। सीएआई ने कहा कि उत्पादन 30.3 मिलियन गांठ के पिछले अनुमान से घटकर 29.84 मिलियन गांठ रह सकता है। स्थानीय खपत भी एक साल पहले की तुलना में 2.2% कम होकर 31.1 मिलियन गांठ रह सकती है। व्यापार मंडल ने कहा कि स्थानीय उत्पादन में गिरावट 2022/23 विपणन वर्ष के अंत में कपास के स्टॉक को घटाकर 1.4 मिलियन गांठ कर सकती है, जो तीन दशकों से अधिक समय में सबसे कम है।



आपके विचारों की कहानी SIS की जुबानी



एसआईएस साप्ताहिक स्तर पर न्यूजलेटर एवम मासिक पत्रिका लगभग गत एक वर्ष से निरंतर ऑनलाइन प्रेषित कर रहा है. जिसके माध्यम से देश विदेश की टेक्सटाइल सेक्टर से जुड़ी प्रतिष्ठित विभूतियों के साक्षात्कार विचार एवम सुझाव और समस्या आदि प्रकाशित की जा रही है. कपड़ा उद्योग की स्थिति में सुधार के लिए इच्छुक गणमान्य व्यक्तियों को उनके विचारों या चिंताओं को व्यक्त करने के लिए आमंत्रित किया जाता है. सम्बन्धित सज्जन इस संदर्भ में संपर्क करें जिससे हम आपके सुझाव उचित प्लेटफॉर्म/सक्षम अधिकारी तक पहुंचा सके.

CONTACT US:
+91 - 91091 39656



शेयर मार्केट निवेशकों के लिए मिला-जुला रहा यह सप्ताह

8 से 12 मई 2023 के मध्य प्रमुख टेक्सटाइल कंपनीज की शेयर वेल्यू पर आधारित खबर-

शेयर मार्केट में टेक्सटाइल सेगमेंट के लिए यह सप्ताह उतार-चढ़ाव रहा. इस बिच कुछ कंपनीज के शेयर का मार्केट बढ़ा जबकि कुछ मार्केट कैप पिछले सप्ताह की तुलना में निचे गिर गया. आइए जानते हैं बीएसई के मंच पर प्रमुख कंपनी की कैसे रही परफॉर्मेंस।

कंपनी	करंट प्राइस	हाई प्राइस	लोएस्ट प्राइस	हलचल %
वर्धमान टेक्सटाइल लिमिटेड	324.15	328.6	313.55	2%
अरविद लिमिटेड	107	113.45	105	-1.88%
वेलसपन इंडिया	93.72	96.79	88.93	-0.92%
नितिन स्पिनर्स	252.95	256.8	232.35	3.27%
रेमण्ड	1612.95	1627	1531.2	2.02%
अक्षिता कॉटन	29.39	36.06	29.39	-18.50%

कॉटन मार्केट की साप्ताहिक हलचल पर एक नजर

SMART INFO SERVICES CALL : 91119 77771 - 5 WEEKLY CHART 13.05.2023			
ICE COTTON			
MONTH	05.05.23	12.05.23	WEEKLY CHANGE
JULY	83.90	80.53	-3.37
DEC	83.24	80.15	-3.09
MARCH	83.01	80.22	-2.79
MCX (BALES) CANDY			
JUNE	63260	61500	-1760
NCDEX (KAPAS)			
APRIL	1627	1608	-19
NCDEX (COCUD KHAL)			
MAY	2827	2704	-123
JUNE	2859	2730	-129
JULY	2877	2756	-121
CURRENCY (\$)			
INDIAN (Rupee)	81.80	82.16	0.36
PAK (Pakistani Rupee)	283.507	295.636	12.129
CNY (Chinese yuan)	6.91073	6.95776	0.04703
BRAZIL (Real)	4.95317	4.92184	-0.03133
AUSTRALIAN Dollar	1.47927	1.5057	0.02643
MALAYSIAN RINGGITS	4.44372	4.46641	0.02269
COTLOOK "A" INDEX			
COTLOOK "A" INDEX	94.30	91.85	-2.45
BRAZIL COTTON INDEX			
BRAZIL COTTON INDEX	77.52	76.77	-0.75
USDA SPOT RATE			
USDA SPOT RATE	80.69	77.28	-3.41
MCX SPOT RATE			
MCX SPOT RATE	61980	60160	-1820
KCA SPOT RATE (PAKISTAN)			
KCA SPOT RATE (PAKISTAN)	20235	20235	0
GOLD (\$)			
GOLD (\$)	2024.6	2015.9	-8.7
SILVER (\$)			
SILVER (\$)	25.93	24.133	-1.797
CRUDE (\$)			
CRUDE (\$)	71.32	70.09	-1.23

इस सप्ताह कॉटन के भाव में इंटरनेशनल मार्केट में गिरावट देखने को मिली। इंटरनेशनल कॉटन एक्सचेंज के जुलाई 23, दिसंबर 23 और मार्च 24 माह के लिए कॉटन के भाव 3.37, 3.09 और 2.79 सेंट तक घटे हैं।

भारतीय बाजार में मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर कॉटन के दाम में इस सप्ताह गिरावट हुई। जून माह के सौदा भाव में 1760 रूपए प्रति कैंडी तक की गिरावट इस सप्ताह दर्ज की गई है।

एनसीडीएक्स पर कपास के भाव भी इस बार 19 रूपए प्रति 20 किलो तक की गिरावट देखी गई वही खल के भाव में मई और जून माह के लिए क्रमशः 123 और 129 रूपए प्रति किंटल की गिरावट हुई।

अन्य देशों के एक्सचेंज मार्केट पर नजर करें तो कॉटलुक ए इंडेक्स पर 2.45 अंक की गिरावट आयी, ब्राजील कॉटन इंडेक्स पर 0.75 की गिरावट और एमसीएक्स स्पॉट रेट पर 1820 अंक की गिरावट दर्ज की गई है। इसके साथ यूएसडीए स्पॉट रेट पर 3.41 की गिरावट देखने को मिली है। पाकिस्तान के केसीए स्पॉट रेट पर सप्ताहांत में कोई चेंज देखने को नहीं मिला।



सीएआई ने 2022-23 सीजन के लिए कपास की फसल का अनुमान घटाकर 29.8 मिलियन गांठ कर दिया है

कॉटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया (सीएआई) ने गुरुवार को 2022-23 सीजन के लिए अपने कपास की फसल के अनुमान को 465,000 गांठ घटाकर 29.8 मिलियन गांठ कर दिया, क्योंकि महाराष्ट्र, तेलंगाना, तमिलनाडु और ओडिशा में उत्पादन घटने की उम्मीद है। कपास की फसल का नवीनतम अनुमान 2008-09 सीजन के बाद सबसे कम है जो 29.0 मिलियन गांठ था।

सीजन की शुरुआत में, एसोसिएशन ने पिछले सीजन के 30.7 मिलियन गांठों की तुलना में कपास की फसल का उत्पादन 34.4 मिलियन गांठ होने का अनुमान लगाया था। सीएआई का नवीनतम क्रॉप डाउन रिवीजन इसके मार्च 31.3 मिलियन गांठ अनुमान के खिलाफ है।

अनुमानों में लगातार कटौती का कारण मौसम के मिजाज में बदलाव के कारण कपास की कम उठान को बताया जा रहा है। "महाराष्ट्र, गुजरात, मध्य प्रदेश और तेलंगाना जैसे राज्यों में कपास की 3-4 तुड़ाई की उम्मीद थी। हालांकि, अभी तक केवल दो चयन हुए हैं, मुंबई के एक उद्योग विशेषज्ञ ने नाम न छापने की मांग करते हुए कहा।

इसके अलावा, यह भी अनुमान लगाया गया है कि किसान पिछले साल की तरह लाभकारी कीमतों की उम्मीद में अपनी उपज को रोके हुए हैं। 2021-22 सीजन में कपास की कीमतें ₹100,000 प्रति कैंडी (1 कैंडी = 365 किलोग्राम) से अधिक हो गई हैं। वर्तमान में, कपास का कारोबार राजस्थान, महाराष्ट्र, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के प्रमुख बाजारों में 59,000-62,000 रुपये प्रति कैंडी और मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर 61,900 रुपये प्रति कैंडी के दायरे में हो रहा है।

पिछले साल की तुलना में कम आकर्षक कीमतों के कारण, इस साल की आवक अक्टूबर से शुरू हुए मौजूदा सीजन में अब तक घटकर 17.86 मिलियन गांठ रह गई है, जबकि पिछले साल इसी अवधि के दौरान यह 24.4 मिलियन गांठ थी।

"घरेलू जिनर और स्पिनर आमने-सामने की स्थिति में काम कर रहे हैं क्योंकि किसान कम उपज ला रहे हैं। यही वजह है कि बाजार सीमित दायरे में है। कीमतें ऊपर या नीचे नहीं जा रही हैं," केडिया कमोडिटीज के निदेशक अजय केडिया ने कहा, कमोडिटीज पर एक वित्तीय सेवा प्रदान करने वाली फर्म।

जहां तक मांग-आपूर्ति की गतिशीलता का संबंध है, कपास के उत्पादन में कमी के बीच कीमतें बढ़नी चाहिए। केडिया ने कहा, "गिरावट के बावजूद, घरेलू बाजारों में कपास की कीमतों में मंदी की आशंका के बीच सुस्त मांग के कारण तेजी नहीं आई है।" घरेलू बाजार में भी कपास की कीमतों को बनाए रखा।" बांग्लादेश भारतीय कपास का सबसे बड़ा खरीदार है।

सीएआई ने पिछले साल दर्ज 1.4 मिलियन गांठों की तुलना में 1.5 मिलियन गांठों पर अपने कपास आयात अनुमान को बरकरार रखा है। सीएआई के आंकड़ों के मुताबिक, इस साल अब तक लगभग 700,000 गांठें भारतीय बंदरगाहों पर आ चुकी हैं। दूसरी ओर, 2022-23 (अक्टूबर-सितंबर) सीजन में निर्यात 500,000 गांठ कम होकर 2 मिलियन गांठ रहने का अनुमान है।

इस सीजन के लिए अनुमानित घरेलू कपास की खपत लगभग 31.1 मिलियन गांठ है, जबकि पिछले वर्ष यह 31.8 मिलियन गांठ थी। कपास की कुल उपलब्धता 34.5 मिलियन गांठ होने का अनुमान है, जिसमें 3.2 मिलियन गांठ का शुरुआती स्टॉक और 1.5 मिलियन गांठ का आयात शामिल है। हालांकि, इसने 29.8 मिलियन गांठों के अनुमानित उत्पादन को छोड़ दिया। सीजन के अंत में कैरीओवर स्टॉक 1.4 मिलियन गांठ होने का अनुमान है।

TOP 5 NEWS OF THE WEEK

ठंडे और छोटे क्षेत्र में चीन की कपास की फसल सिकुड़ती नजर आई

शीर्ष उत्पादक चीन में कपास का उत्पादन इस साल घट सकता है क्योंकि ठंडे मौसम ने बुवाई में देरी की और कुछ क्षेत्रों में पौधों को नुकसान पहुँचाया, और कुछ किसानों ने सरकारी सलाह का पालन किया और अनाज पर स्विच किया।

भारत एक संभावित "कपास संकट" के कगार पर है—और कोई ध्यान नहीं दे रहा है।

कपास उत्पादक देशों के लिए वाशिंगटन डी.सी. स्थित व्यापार निकाय इंटरनेशनल कॉटन एडवाइजरी कमेटी के पूर्व कार्यकारी निदेशक टेरी टाउनसेंड की यह चेतावनी है। जबकि प्रमुख सांख्यिकीय संगठन द्वारा दक्षिण एशियाई राष्ट्र की वर्तमान 2022/23 फसल का अनुमान 5 मिलियन मीट्रिक टन से अधिक के वर्ष के बराबर उत्पादन दिखा रहा है,

एनसीडीईएक्स के प्लेयर्स के लिए "सुनहरा अवसर"

हमें आपको यह बताते हुए खुशी हो रही है कि एनसीडीईएक्स ने हाल ही में अपने प्लेटफॉर्म पर एक संशोधित कपास वायदा अनुबंध पेश किया है। यह भारत में कपास उद्योग के लिए एक रोमांचक विकास है, और हम आपको इस बाजार में भाग लेने के लिए आमंत्रित करना चाहते हैं। हमारे पास पहले से ही एनसीडीईएक्स में कपास और बिनौला खली में एक सक्रिय अनुबंध उपलब्ध है।

खराब मौसम का खेती पर असर, कपास की बुवाई का मौसम लंबा चलेगा

इस साल कपास की बुवाई का मौसम लंबा चल सकता है, लेकिन नकदी फसल का रकबा कम रहने की उम्मीद है। कारण : मौसम में बार-बार हो रहे बदलाव से किसान चिंतित हैं।

उत्पादन घटने से भारत का कपास निर्यात 18 साल के निचले स्तर पर पहुंच जाएगा

भारत का कपास निर्यात 2022/23 में 18 वर्षों में अपने सबसे निचले स्तर पर गिरने के लिए तैयार है, क्योंकि उत्पादन लगातार दूसरे वर्ष घरेलू खपत से पिछड़ गया है, एक प्रमुख व्यापार निकाय ने कहा।

कॉटन फिजिकल मार्केट में गिरावट बरकरार

यह सप्ताह कॉटन फिजिकल मार्केट के लिए गिरावट वाला रहा। नार्थ, सेंट्रल और साउथ तीनों ही झोन में कॉटन के भाव में गिरावट देखी गई। नार्थ झोन में पंजाब में 100, हरियाणा में 75 और अपर राजस्थान में 125 रूपए प्रति मंड तक दाम घटे हैं।

सेंट्रल झोन में गुजरात में सबसे ज्यादा 1600 रूपए प्रति कैंडी की गिरावट देखने को मिली। जबकि मध्यप्रदेश में 1500 और महाराष्ट्र में 1100 रूपए प्रति कैंडी तक कॉटन के दाम घटे हैं।

साउथ झोन में भी गिरावट का रुख जारी रहा। आंध्रप्रदेश में सबसे ज्यादा 2500 रूपए प्रति कैंडी तक की गिरावट आई है जबकि तेलंगाना में 1700 और उड़िसा में 1000 रूपए प्रति कैंडी तक कॉटन के दाम गिरे हैं। वहीं कर्नाटक में भी 900 रूपए प्रति कैंडी की गिरावट आई।

SMART INFO SERVICES		india.smartinfo@gmail.com		Call : 91119 77771 - 5		DATE: 13.05.2023
WEEKLY COTTON BALES MARKET						
STATE	STAPLE LENGTH	08.05.23		13.05.23		AVERAGE PRICE
		LOW	HIGH	LOW	HIGH	
NORTH ZONE						
PUNJAB	28.5	6,200	6,300	6,150	6,200	-100
HARYANA	27.5/28	6,150	6,250	6,075	6,175	-75
UPER RAJASTHAN	28	6,400	6,500	6,275	6,375	-125
CENTRAL ZONE						
GUJARAT	29	61,400	61,800	59,800	60,200	-1,600
MADHYA PRADESH	29	60,600	60,800	59,000	59,300	-1,500
MAHARASHTRA	29 vid.	60,400	60,900	59,300	59,800	-1,100
SMART INFO SERVICES CALL : 91119 77775						
SOUTH ZONE						
ODISHA	29.5	63,300	63,400	62,300	62,400	-1,000
KARNATAKA	29.5/30 mm	61,000	61,500	60,100	60,600	-900
ANDHRA PRADESH	29/29.5 mm	62,500	63,500	60,500	61,000	-2,500
TELANGANA	29 mm 75 RD	61,500	62,000	59,800	60,300	-1,700
NOTE : There may be some changes in the rate depending on the quality.						
Punjab, Haryana and Rajasthan rates in maund the rest in Candy						



NEWSLETTER

Saturday, 13 May 2023 | Volume - 45



The CAI has reduced its estimate of cotton crop for the 2022-23 season to 29.8 million bales.

TOP 5 NEWS OF THE WEEK



**GOLD : 60898
SILVER : 73100
CRUD OIL : 5774**

He explained that their firm is a 90-year-old company that works in cotton brokerage. The company's old and original name was Mafatlal Lalubhai & Company, then in 1965, they started the business under the name of Arunkumar & Company. This firm did cotton business with Kesarie and Hind Mills in Ahmedabad, Bihari Mills, Sarangpur Mills, Ajit Mills in Mumbai, Rally India Company, Patel Well Cut, Kotak & Company, Bombay Dyeing, Poddar Mills, Gil & Company Exports with Arjan Khimji and Chudgar Ramchodlal Jethalal. In 2018, they were awarded the Best Broker award by the Cotton Association of India and the Cotton Advisory Committee.



Cotton Yield Need to Increase.

Arun Kumar

Arun Kumar & Co. (Cotton Broker)

As of today, the mill has a stock of 30 to 35 days, with 27 to 30 lakh bales of unsold stock held by ginners, exporters, and the CCI (government body). In April, around 1.35 lakh bales arrived daily. Based on this estimate, 80 to 85 thousand bales can be expected daily in June, while 45 to 50 thousand bales can be expected daily in July. A new crop will begin in Karnataka and Tamil Nadu in July-August, and the North's crop will begin on September 15. Given this situation, there will be no shortage of cotton in the market for a long time, and there may not be a sustained increase in prices. However, if there is any change in exceptional weather, prices in the market may increase to between 2500 and 3000. As of today, the production cost of thread has increased, and most mills are facing financial difficulties, so mills are buying cotton on hand to mouth basis due to a lack of cash liquidity.

- We believe that the impact of the Russia-Ukraine war will continue until 2023-24. It is proving difficult for the market rates to increase.
- As people's purchasing power has decreased, it has resulted in the international market being on average 1500 to 2000 rupees lower than ours. This has made it difficult to export cotton clothes. It is expected that there will be a 50% decrease in exports in 2023-24 compared to 2022-23.
- The majority of mills increase the burden of cost by 1.5% to 1.75% per month. The government does not reduce the price of petrol and diesel compared to crude oil. The stock of cotton that farmers have stored so far is good and will continue to come in good quantity in the future.
- According to the new technology, the mills that need to progress further will have to improve their technology, otherwise they will not be able to compete in this industry and their lifespan will decrease.
- There is an 11% duty on imports by the government, so it is expensive to bring those goods to us.
- From 2015 to 2020, the average price of cotton for farmers was between 800 to 1000 rupees, while in 2021-22 it was between 1200 to 1300 rupees.
- Our belief is that there should be improvements made in the variety of seeds so that planting and harvest can compete with other countries. The sale of duplicate or recycled seeds should be controlled and heavy fines should be imposed.

Due to a decline in production, India's cotton exports will reach the lowest level in 18 years.



India's cotton exports are poised to hit their lowest level in 18 years in 2022/23, as production has consistently lagged behind domestic demand over the past few years, according to a major trade body on Thursday. Support for global prices could come from exports that are lower than those of the world's largest producers. This could also increase domestic prices and put a burden on local textile companies' margins.

The Cotton Association of India (CAI) said in a statement that exports could fall by up to 2 million bales in the current marketing year ending on September 30, which is the lowest since 2004/05 and significantly lower than the 4.3 million bales from the previous year. According to the CAI, production may decrease from the previous estimate of 30.3 million bales to 29.84 million bales. Local demand may also decrease to 31.1 million bales, which is 2.2% lower than a year ago. The trade body said that the decline in local production could reduce cotton stocks by 1.4 million bales at the end of the 2022/23 marketing year, which is the lowest in over three decades.

Download Our App "SIS CONNECT" For Daily Updates.

[CLICK HERE](#)



आपके विचारों की कहानी SIS की जुबानी



एसआईएस साप्ताहिक स्तर पर न्यूजलेटर एवम मासिक पत्रिका लगभग गत एक वर्ष से निरंतर ऑनलाइन प्रेषित कर रहा है, जिसके माध्यम से देश विदेश की टेक्स्टाइल सेक्टर से जुड़ी प्रतिष्ठित विभूतियों के साक्षात्कार विचार एवम सुझाव और समस्या आदि प्रकाशित की जा रही है, कपड़ा उद्योग की स्थिति में सुधार के लिए इच्छुक गणमान्य व्यक्तियों को उनके विचारों या चिंताओं को व्यक्त करने के लिए आमंत्रित किया जाता है, सम्बन्धित सज्जन इस संदर्भ में संपर्क करें जिससे हम आपके सुझाव उचित प्लेटफॉर्म/सक्षम अधिकारी तक पहुंचा सके.

CONTACT US:
+91 - 91091 39656



This week was mixed for stock market investors.

News based on the share value of major textile companies from 8 to 12 May 2023-

In the share market, the textile segment saw fluctuations this week. Some companies' shares increased while some saw a decrease in market capitalization compared to the previous week. Let's find out how the performance of the leading companies was on the BSE platform.

COMPANY	CURRENT PRICE	HIGH PRICE	LOWEST PRICE	CHANGE IN %
VARDHAMAN TEXTILE LIMITED	324.15	328.6	313.55	2%
ARVIND LIMITED	107	113.45	105	-1.88%
WELSPUN INDIA	93.72	96.79	88.93	-0.92%
NITIN SPINNERS	252.95	256.8	232.35	3.27%
RAYMOND	1612.95	1627	1531.2	2.02%
AXITA COTTON	29.39	36.06	29.39	-18.50%

A look at the weekly movements in the cotton market:

SMART INFO SERVICES CALL : 91119 77771 - 5 WEEKLY CHART 13.05.2023			
ICE COTTON			
MONTH	05.05.23	12.05.23	WEEKLY CHANGE
JULY	83.90	80.53	-3.37
DEC	83.24	80.15	-3.09
MARCH	83.01	80.22	-2.79
MCX (BALES) CANDY			
JUNE	63260	61500	-1760
NCDEX (KAPAS)			
APRIL	1627	1608	-19
NCDEX (COCUD KHAL)			
MAY	2827	2704	-123
JUNE	2859	2730	-129
JULY	2877	2756	-121
CURRENCY (\$)			
INDIAN (Rupee)	81.80	82.16	0.36
PAK (Pakistani Rupee)	283.507	295.636	12.129
CNY (Chinese yuan)	6.91073	6.95776	0.04703
BRAZIL (Real)	4.95317	4.92184	-0.03133
AUSTRALIAN Dollar	1.47927	1.5057	0.02643
MALAYSIAN RINGGITS	4.44372	4.46641	0.02269
COTLOOK "A" INDEX			
COTLOOK "A" INDEX	94.30	91.85	-2.45
BRAZIL COTTON INDEX			
BRAZIL COTTON INDEX	77.52	76.77	-0.75
USDA SPOT RATE			
USDA SPOT RATE	80.69	77.28	-3.41
MCX SPOT RATE			
MCX SPOT RATE	61980	60160	-1820
KCA SPOT RATE (PAKISTAN)			
KCA SPOT RATE (PAKISTAN)	20235	20235	0
GOLD (\$)			
GOLD (\$)	2024.6	2015.9	-8.7
SILVER (\$)			
SILVER (\$)	25.93	24.133	-1.797
CRUDE (\$)			
CRUDE (\$)	71.32	70.09	-1.23

This week saw a decline in cotton prices in the international market. Cotton prices fell to 3.37, 3.09, and 2.79 cents for the months of July 23, December 23, and March 24 respectively on the International Cotton Exchange.

In the Indian market, there was a decrease in the price of cotton on the Multi-Commodity Exchange this week. The price for June contracts fell up to Rs 1,760 per candy.

On NCDEX, the prices of kapas (raw cotton) also fell up to Rs 19 per 20 kg. Meanwhile, the prices of cottonseed saw a decline of Rs 123 and Rs 129 per quintal for the months of May and June respectively.

Looking at other countries' exchange markets, the Cotton Outlook A index saw a decline of 2.45 points, the Brazil Cotton Index fell 0.75, and the MCX spot rate declined by 1,820 points. The USD Index also saw a decline of 3.41. There was no change seen in the KCA spot rate in Pakistan at the end of the week.



The CAI has reduced its estimate of cotton crop for the 2022-23 season to 29.8 million bales.

The Cotton Association of India (CAI) reduced its estimate of cotton crop for the 2022-23 season by 465,000 bales to 29.8 million bales on Thursday, as it expects a decrease in production in Maharashtra, Telangana, Tamil Nadu, and Odisha. The latest estimate for the cotton crop is the lowest since the 2008-09 season, which was 29.0 million bales.

At the beginning of the season, the association had estimated cotton crop production to be 34.4 million bales, which was higher than the previous season's 30.7 million bales. The latest crop revision by CAI is against its earlier estimate of 31.3 million bales as of March.

The continuous reduction in estimates is being attributed to a decrease in the yield of cotton due to changing weather conditions. States like Maharashtra, Gujarat, Madhya Pradesh, and Telangana were expecting a yield of 3-4 pickings of cotton. However, so far, only two pickings have been made, according to an industry expert from Mumbai who requested anonymity.

It is also estimated that farmers have held back their produce in anticipation of profitable prices, just like they did last year. In the 2021-22 season, cotton prices have gone up to over ₹100,000 per candy (1 candy = 365 kilograms). Currently, the cotton trade is taking place within the range of 59,000-62,000 rupees per candy in major markets of Rajasthan, Maharashtra, Telangana, and Andhra Pradesh, and at 61,900 rupees per candy on the Multi Commodity Exchange.

Compared to last year, the current season which started in October, has seen a decrease of 17.86 million bales in arrivals so far due to lower attractive prices. During the same period last year, the arrivals were 24.4 million bales.

"Domestic ginners and spinners are working face to face because farmers are bringing in less produce. This is the reason why the market is within limited boundaries. Prices are not going up or down," said Ajay Kedia, Director of Kedia Commodities, a firm providing financial services on commodities.

Regarding the dynamics of supply and demand, the prices should rise amidst the decrease in cotton production. "Despite the decline, there hasn't been much improvement in cotton prices due to sluggish demand in domestic markets amid concerns of a slump," said Ajay Kedia, the director of Kedia Commodities, a financial services firm that provides commodity services. "Cotton prices have also remained stable in domestic markets." Bangladesh is the biggest buyer of Indian cotton.

According to CAI, its estimate for cotton imports remains unchanged at 1.5 million bales compared to 1.4 million bales recorded last year. As per the organization's figures, approximately 700,000 bales have arrived at Indian ports so far this year. On the other hand, the export estimate for the 2022-23 (October-September) season is expected to decline by 500,000 bales, to remain at 2 million bales.

The estimated domestic consumption of cotton for this season is around 31.1 million bales, whereas it was 31.8 million bales last year. The total availability of cotton is estimated to be 34.5 million bales, which includes an initial stock of 3.2 million bales and an import of 1.5 million bales. However, it excludes the estimated production of 29.8 million bales. At the end of the season, there is an estimated carryover stock of 1.4 million bales.

TOP 5 NEWS OF THE WEEK

In freezing and small regions, China's cotton crop has been seen to shrink.

The top producer of cotton in China may see a decrease in production this year because the cold weather caused delays in planting and caused damage to crops in some areas, and some farmers followed the government's advice and switched to other crops."

"India is on the verge of a potential "cotton crisis" - and no one is paying attention.

This is the warning of Terry Townsend, former executive director of the Washington D.C.-based trade body International Cotton Advisory Committee, for cotton-producing countries. While the leading statistical organization shows that the current 2022/23 crop for the South Asian nation is projected to produce more than a year's worth of production of over 5 million metric tons."

"Golden opportunity" for players of NCDEX

We are pleased to inform you that NCDEX has recently introduced a revised cotton futures contract on its platform. This is an exciting development for the cotton industry in India, and we invite you to participate in this market. We already have an active contract in cotton and cottonseed oilcake on NCDEX.

Impact of bad weather on farming, cotton sowing season may be prolonged this year

Impact of bad weather on farming, cotton sowing season may be prolonged this year, but the area of cash crops is expected to be reduced. The reason: farmers are worried due to frequent changes in weather.

The export of cotton from India is set to reach its lowest level in 18 years

The export of cotton from India is set to reach its lowest level in 18 years in 2022/23 due to a decline in production over the last two years, lagging behind domestic consumption, according to a major trade body.

"There is a decline in the cotton physical market."

There has been a decline in the cotton prices at the Cotton Physical Market this week. The prices of cotton have fallen in all three zones - North, Central, and South. In the North zone, prices have fallen by Rs. 100 per quintal in Punjab, Rs. 75 per quintal in Haryana, and up to Rs. 125 per quintal in Upper Rajasthan.

In the Central zone, the maximum decline of Rs. 1600 per candy was seen in Gujarat, while cotton prices fell up to Rs. 1500 per candy in Madhya Pradesh and Rs. 1100 per candy in Maharashtra.

In the South zone, the declining trend continued as well. Andhra Pradesh has witnessed the maximum decline of up to Rs. 2500 per candy, while cotton prices have fallen up to Rs. 1700 per candy in Telangana and Rs. 1000 per candy in Odisha. Similarly, there has been a decline of Rs. 900 per candy in Karnataka.

SMART INFO SERVICES						
india.smartinfo@gmail.com						
Call : 91119 77771 - 5						
DATE: 13.05.2023						
WEEKLY COTTON BALES MARKET						
STATE	STAPLE LENGTH	08.05.23		13.05.23		AVERAGE PRICE
		LOW	HIGH	LOW	HIGH	
NORTH ZONE						
PUNJAB	28.5	6,200	6,300	6,150	6,200	-100
HARYANA	27.5/28	6,150	6,250	6,075	6,175	-75
UPER RAJASTHAN	28	6,400	6,500	6,275	6,375	-125
CENTRAL ZONE						
GUJARAT	29	61,400	61,800	59,800	60,200	-1,600
MADHYA PRADESH	29	60,600	60,800	59,000	59,300	-1,500
MAHARASHTRA	29 vid.	60,400	60,900	59,300	59,800	-1,100
SMART INFO SERVICES CALL : 91119 77775						
SOUTH ZONE						
ODISHA	29.5	63,300	63,400	62,300	62,400	-1,000
KARNATAKA	29.5/30 mm	61,000	61,500	60,100	60,600	-900
ANDHRA PRADESH	29/29.5 mm	62,500	63,500	60,500	61,000	-2,500
TELANGANA	29 mm 75 RD	61,500	62,000	59,800	60,300	-1,700
NOTE : There may be some changes in the rate depending on the quality.						
Punjab, Haryana and Rajasthan rates in maund the rest in Candy						